



हुता वा सर्ववर्षी वा इतिवन्तः वा

सत्यमेव जयते  
सत्यमेव जयते  
सत्यमेव जयते

उक्तं वाच्यं किं उपलब्धं किं न किं उपलब्धं  
वा उपलब्धं किं उपलब्धं किं उपलब्धं  
की दिनांक 1-8-18 कोपमई (Ea/18/19)

1-8-18

वादी सौ वादी के आदि वजा से काट  
केके केके के आवाज किपकापी नहिपल  
अपान्त में किं की उपलब्ध नही है  
अतः वादी सौ के आदि वजा से काट  
अपान्त के के उपलब्ध किपकापी नहिपल  
अपान्त के के उपलब्ध किपकापी नहिपल  
अपान्त के के उपलब्ध किपकापी नहिपल  
अपान्त के के उपलब्ध किपकापी नहिपल

Ea/18/19  
सहायक सचिव  
दोहा